Clifford Geertz

Books: ① The Religion of Java (1960)
② Reddlers & Princes (1963)
③ Agricultural Involution (1968)
④ Local Knowledge (1983)
⑤ Works Lives (1988)
⑥ The Interpretation of cultures (1973)

इन्होंने Philosophy, sociology और Anthropology का अध्ययन किया था तथा Institute of Advance study Princeton में कार्यरत रहे। इन्होंने कहा निर्वचनात्मक मानव-शास्त्री जीने का अनुभव को सार्वजनिक प्रतीकों के साथ जोड़ते हैं। मनुष्य एक प्राणी है जो एक जाल में फँसा हुआ है जिसको वह खुद बुना है। लेकिन संस्कृति को इतना आसानी से नहीं समझा जा सकता है। संस्कृति को केवल अध्ययन के माध्यम से समझा जा सकता है। उसको उन्होंने वृत्तजातीय वर्णन पद्धति का जिसमें Thick description वर्णन तकनीकों का प्रयोग करने को कहा है। जिससे संस्कृति का पाठ्य ग्रन्थ (text) उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा वृत्तजातीय वर्णन ऐसा होना चाहिए जैसे हम कोई पुस्तक पढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा इस पद्धति के कर्मकाण्ड के सहभागियों के क्रियाओं को समझा जा सकता है। उन्होंने बालि द्वीप समूह में अध्ययन किया था। वहाँ मुर्गा-युद्ध एक खेल के रूप में लोकप्रिय है।

Scanned by CamScanner

Geertz के अनुसार, मुर्गा-युद्ध के कई प्रकार के निर्वचन किये जा सकते हैं:-

① यह संस्कृति के तत्वों के बारे में कई प्रकार के संदेश देता है।

② यह एक सामाजिक पर्यावरण है जो व्यक्तियों के बीच प्रस्थिति की वाले पुरुष किसी और को सामने रखते हुए इस खेल में शामिल होते हैं। यहाँ तक मुर्गियों को इतनी चोट पहुंचती है कि मृत्यु हो जाती है। लेकिन इसमें भावनात्मक तत्व भी मिलता है। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक बल है। इससे सामाजिक संबंधों को पहचान मिलती है।

इस प्रकार मुर्गा युद्ध पूरे बाली समाज के सामाजिक व्यवस्था की पहचान है और ये बाली समाज का पाठ्य ग्रन्थ है। इसी प्रकार भारतीय समाज में भी कई कहानियाँ देखने को मिलती है। जैसे:- यह एक भारतीय कहानी है कि एक भारतीय अंग्रेज को बोलता है कि धरती एक हाथी के पीठ पर टिकी है और हाथी कछुआ के पीठ पर टिका है। फिर अंग्रेज भारतीय से पूछता है कि कछुआ किसके ऊपर टिका है? फिर पूछता है कि यह एक और कछुआ किस पर टिका है तो भारतीय कहता है एक और कछुआ पर फिर भारतीय अंग्रेज से कहता है और-साहब! नीचे तक कछुआ ही कछुआ मिलेगा।

Scanned by CamScanner

गिर्ट्ज ने सबसे पहले निर्वचनात्मक सिद्धान्त एक शोध-पत्र 'The Expact of Concept of Culture on the Concept of Man (1966), में दिया। इसमें उन्होंने कहा कि पूर्व अनुभव में कहा कि Man क्या है? कई प्रकार का निर्वचन हुआ। पहले लोग कहते हैं Man क्या है? इसमें सहमति है। फिर यूनान की कहावत है, कुछ सार्वभौमिक मूल्य Man के पास होता है। जैसे:- व्यक्तिगत स्वतंत्रता, Charity, सम्मान आदि। लेकिन इसका अर्थ एक सांस्कृतिक सार्वभौमिकता ढूंढना जो संस्थाओं में एवं व्यवहार में मिलता है लेकिन ऐसा मिलता नहीं है।

Geertz ने सवाल उठाया है कि ये सार्वभौमिक तत्व महत्वपूर्ण है क्या, इनमें मनुष्यों के जीवन के बारे में मिलता है जैसे कि यह कहा जाता है - हर व्यक्ति का अलौकिक शक्ति पर कुछ हद तक विश्वास होता है लेकिन, इसका यह अर्थ नहीं है कि व्यक्तियों का धार्मिक अनुभव इससे मिल जायेगा।

उन्होंने कहा, संस्कृति का अध्ययन प्राकृतिक विज्ञानों में दिखता नहीं है क्योंकि संस्कृति पर विचार प्रतीकात्मक है। संस्कृति पाठ्य है जिसमें कई प्रकार के प्रतीक इकट्ठा हुए है। जैसे:- बाली समाज का मुर्गा-युद्ध एक सामान्य खून का खेल

Scanned by CamScanner

नहीं है। यह उससे कहीं अपर है। इससे सामाजिक संबंधों का पता चलता है, लोगों के प्रस्थिति का पता चलता है और लोगों के विरोधियों के बारे में पता चलता है। अगर जावा संस्कृति का अध्ययन करना है तो ऐसे प्रतीकात्मक पाठ्यों को समझना होगा। शोधकर्ता अक्सर इन प्रतीकों का निर्वचन करता है।

आलोचनात्मक विश्लेषण

Geertz की विचारधारा एक उत्तर आधुनिक विचारधारा है। जिससे वास्तविक रूप से संस्कृति के तमाम तत्व समझना आसान हो सकता है जो पहले नहीं समझा गया है। इसमें बहुमुखी अर्थ महत्वपूर्ण है।

Scanned by CamScanner